बिहार विधान-सभा वादवृत्त ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में शुक्रवार, तिथि १४ सितम्बर, १९५६ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय उपाध्यक्ष श्री जगत नारायण लाल के सभापतित्व में हुआ ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर

Short Notice Questions and Answers.

GOVERNMENT QUARTERS FOR HOSPITAL STAFF.

28. **Shri TRIBENI KUMAR** : Will the Health Minister be pleased to state—

(1) whether the Assistant Surgeon and other staff of the M. S. D. State Hospital, Parbatta, Monghyr are experiencing great difficulties without Government quarters;

(2) whether there are proposals to build Government quarters for the Hospital Surgeon and staff in near future, if so, what has been the progress in this direction ?

श्री हरिनाथ मिश्र—(१) और (२) उक्त अस्पताल के कर्मचारियों की असुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने उनके लिये क्वार्टर की अनुमति दे दी है। तब तक के लिये जब तक कि उनके लिये क्वार्टर नहीं बन जाता है सरकार ने भाड़े के मकान का प्रबन्ध कर दिया है ।

श्री त्रिवेणी कुमार—अभी तक क्या प्रोग्रेस हुआ है ?

श्री हरिनाथ मिश्र—अप्रैल के महीने में सेक्शन भेज दिया गया और जिलाधीश को कह दिया गया है कि जल्द-से-जल्द मकान बनवा दें लेकिन अभी तक उनकी रिपोर्ट नहीं आई है ।

SCARCITY OF TEXT BOOKS.

44. **Shri BAIJNATH SINGH** : Will the Education Minister be pleased to state—

(1) whether the State Government is aware that there is a scarcity of Text Books in the whole of Bihar ;

(2) if answer to the above clause be in the affirmative, what steps do Government propose to take to meet this shortage ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—(१) उत्तर हां है। प्राथमिक कक्षा के लिये कुछ नयी पुस्तकें पर्याप्त संख्या में प्राप्त नहीं हो सकीं।

(२) इसके लिये सरकार ने कई उपायों का अवलम्बन लिया है। कई नये प्रेसों को पुस्तक छापने के लिये दी गयी है और उन प्रेसों को ज्यादा संख्या में पुस्तक जल्द-से-जल्द उपलब्ध करने के लिये कहा गया है। अनेकों नये पुस्तक विक्रेताओं की नियुक्ति की गई है, इत्यादि।

श्री बैजनाथ सिंह—क्या यह सही नहीं है कि पुस्तकें नहीं मिलने के कारण लड़कों का तीन महीने का समय व्यर्थ चला गया ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—यह अलग सवाल है। लेकिन किताबें नहीं मिलने के कारण तकलीफ अवश्य हुई है।

श्री बैजनाथ सिंह—इस काम के लिये पाठ्य पुस्तक समिति जवाबदेह है या नहीं ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—नहीं, इस काम के लिये समिति जवाबदेह नहीं है।

श्री रामानन्द तिवारी—तो क्या पाठ्य पुस्तकों की कमी के लिये सरकार जवाबदेह है ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—जी हां, मैं जवाबदेह हूँ।

श्री चन्द्रशेखर सिंह (कांग्रेस)—किताबों को भरपूर प्राप्य बनाने के लिये अन्य प्रेसों को पुस्तक छापने के लिये दी गयी यह कार्रवाई शुरू में करने में क्या कठिनाई थी ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—बहुत से प्रेस अपनी-अपनी किताबें छापने में लगे थे इसलिये जितने प्रेस ने मंजूर किया उन्हें काम दिया गया। इस विषय पर कल वादविवाद है और मैं समझता हूँ कि इन सब बातों पर उसी समय विचार करना अच्छा होगा।

श्री त्रिवेणी कुमार—कल डिबेट है इसलिये आज ही और इनफॉरमेशन चाहिये।

Shri MOHIUDDIN MUKHTAR : Is it a fact that the frequent change of books is one of the reasons for this scarcity of text books ?

Shri BADRINATH VARMA : It is not a fact.

श्री त्रिवेणी कुमार—स्कारसिटी का क्या कारण है ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—सभी किताबों की स्कारसिटी नहीं है। केवल तीन-चार किताबों की स्कारसिटी है जिसके कई कारण हैं और जिसको मैंने ऊपर कहा है।

श्री त्रिवेणी कुमार—क्या यह बात सही है कि टेक्स्ट बुक कमिटी की तरफ से अबतक किताब छपवाने पर कंट्रोल नहीं था तबतक टेक्स्ट बुक की कमी नहीं रही ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—यह बात सही नहीं है । जब से कागज पर कंट्रोल हुआ तब से बराबर इसकी कमी रही है ।

श्री जगन्नाथ सिंह—पुस्तक छपवाने की जवाबदेही किस अफसर पर है ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—इसके लिये खास एडुकेशनल पब्लिकेशन अफसर हैं ।

श्री जगन्नाथ सिंह—पब्लिकेशन अफसर की गलती, लापरवाही और सुस्ती के कारण टेक्स्ट बुक का अकाल हुआ तो क्या सरकार उनके ऊपर जवाबदेही फिक्स्ड करेगी या नहीं ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—सिर्फ उन्हीं की गलती और सुस्ती की वजह से यह नहीं हुआ । जिस अफसर के जिम्मे यह काम था वे नये मुकर्रर हुए थे । वे वापस कर दिये गये हैं ।

श्री जगन्नाथ सिंह—सिर्फ वापस ही कर दिये गये या कुछ सजा भी मिली ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—वे हायर स्केल से लोअर स्केल में वापस कर दिये गये, यही सजा मिली ।

BASIC PAY OF ALL PRIMARY AND MIDDLE SCHOOL TEACHERS.

45. Will the Education Minister be pleased to state—

(1) whether it is a fact that the Government of Bihar have decided to raise the basic pay of all Primary and Middle School teachers in the State—

(2) whether Government are going to introduce an Education cess to finance the primary education in the near future ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—(१) उत्तर हां है ।

(२) शेष लागू करने का निर्णय हुआ ।

श्री बैजनाथ सिंह—शेष लगाने के लिये कोई डेफनीट डेट तय हुआ है या नहीं ?

श्री बदरी नाथ वर्मा—अभी डेट फिक्स्ड नहीं हुआ है ।

श्री बैजनाथ सिंह—यह शेष कितना लगेगा ?